The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

Press Release

07 SEP 2021
रांची

शिक्षक दिवस के अवसर पर इक्फ़ाई विश्वविद्यालय के शिक्षकों को दिए गए मान्यता पुरस्कार

वर्चुअल मोड में विश्वविद्यालय में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह के दौरान इक्फ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड के छात्रों ने अपने शिक्षकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरुआत करने से पहले डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जिनके जन्मदिन पर समारोह आयोजित किया जाता है, छात्रों और विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों द्वारा गायन, नृत्य, कविता पाठ आदि जैसे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें उनके व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए योगदान की सराहना की गई।

विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रोफेसर ओ आर एस राव ने कहा, "जब माता-पिता बच्चों को जीवन देते हैं, तो शिक्षक ही उन्हें ज्ञान प्रदान करके और चरित्र का विकास करके एक पूर्ण जीवन देते हैं" । हम सभी को "आज हम जो हैं" के लिए अपने सम्मानित शिक्षकों का आभारी होना चाहिए। डॉ राधाकृष्णन और डॉ अब्दुल कलाम के संदेशों को याद करते हुए, प्रो राव ने कहा, "शिक्षकों को छात्रों को अपने लिए सोचने में मदद करनी चाहिए। उन्हें न केवल ज्ञान साझा करना चाहिए बल्कि जुनून के साथ पढ़ाना चाहिए और छात्रों के प्रति करुणा दिखाना चाहिए। संस्कृत में अलग-अलग योग्यता वाले शिक्षकों के लिए अलग-अलग शब्द हैं, अध्यापक, उपाध्याय, आचार्य, पंडित, द्रष्टि, गुरु (जो ज्ञान को जगा सकते हैं और हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जा सकते हैं)। सभी शिक्षकों को कम से कम आचार्य या पंडित के स्तर तक पहुंचने का लक्ष्य रखना चाहिए।

इस अवसर पर प्रमुख क्षेत्रों में अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए शिक्षकों को मान्यता पुरस्कार प्रदान किए गए। 2020-21 शैक्षणिक वर्ष के दौरान अनुसंधान प्रकाशनों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का पुरस्कार डॉ पल्लवी कुमारी को दिया गया। संस्थान निर्माण के लिए पुरस्कार प्रो आलोक कुमार (कानून विभाग को विकसित करने में उनके प्रयासों के लिए) और डॉ सुदीप्त मजूमदार, प्रो एस एस पी शुक्ला और श्री अमर गुप्ता (स्वाध्याय डिजिटल लर्निंग सिस्टम और ब्रांड बिल्डिंग की स्थापना में उनके प्रयासों के लिए) को दिए गए। प्रशंसनीय शिक्षकों की पहचान के लिए छात्रों के बीच एक ऑनलाइन सर्वेक्षण किया गया, जिसके लिए पुरस्कार डॉ मनीष कुमार (प्रबंधन अध्ययन संकाय), डॉ राजेश प्रसाद (विज्ञान और प्रौद्योगिकी संकाय- मैकेनिकल इंजीनियरिंग), प्रोफेसर मिथिलेश मिश्रा (विज्ञान और प्रौद्योगिकी-खनन इंजीनियरिंग के संकाय) और प्रो दिव्या उत्कर्ष (कानून के संकाय) को प्रदान किए गए।

प्रोफेसर अरविंद कुमार, रजिस्ट्रार और वरिष्ठ संकाय सदस्य, डॉ भागबत बारिक, डॉ रुम्पा भट्टाचार्य और अन्य वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने भी छात्रों और कर्मचारियों को संबोधित किया। 2019 बैच की बीसीए छात्रा सुश्री आरती कुमारी ने कार्यक्रम की एंकरिंग की।

==========